WEST BENGAL STATE UNIVERSITY

B.A. Honours 6th Semester Examination, 2025

HINACOR13T-HINDI (CC13)

Time Allotted: 2 Hours | Full Marks: 50

The figures in the margin indicate full marks.
Candidates should answer in their own words and adhere to the word limit as practicable.

1. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए — 1×5 = 5

   (क) 'सरस्वती' पत्रिका किस संख्या के तत्त्वाधान से प्रकाशित होती थी ?

   (ख) 'धर्मयुग' के प्रथम संपादक का नाम लिखिए।

   (ग) 'मतवाला' के प्रकाशन की प्रेरणा किस बंगला-साप्ताहिक पत्र से मिली थी ?

   (घ) "पत्रकारिता शीघ्रता में लिखा जाने वाला साहित्य है।" — कथन किसका है ?

   (ङ) 'पत्रकारिता : इतिहास और प्रश्न' के लेखक का नाम लिखिए।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं ***तीन*** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए — 5×3 = 15

   (क) भारतमित्र

   (ख) प्रताप

   (ग) कर्मवीर 17 JAN 1920

   (घ) महादेवी वर्मा

   (ङ) विशाल भारत।

3. साहित्यिक पत्रकारिता की अवधारणा और उसके महत्त्व को स्पष्ट कीजिए। 15

अथवा

द्विवेदीयुगीन साहित्यिक पत्रकारिता की प्रवृत्तियों को रेखांकित कीजिए।

4. छायावादी साहित्यिक पत्रकारिता के वैशिष्ट्य पर प्रकाश डालिए। 1

अथवा

साहित्यिक पत्रकारिता के क्षेत्र में प्रेमचंद के अवदानों का उल्लेख कीजिए।

——×——

WEST BENGAL STATE UNIVERSITY
B.A. Honours 6th Semester Examination, 2025

HINADSE06T-HINDI (DSE3/4)

Time Allotted: 2 Hours　　　　　　　　　　　　　　　　　　Full Marks: 50

The figures in the margin indicate full marks.
Candidates should answer in their own words and adhere to the word limit as practicable.

1. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए — 1×5 = 5

(क) "प्रेमचन्द शताब्दियों से पददलित अपमानित और उपेक्षित कृषकों की आवाज थे।" — प्रेमचन्द के संदर्भ में यह कथन किसका है ?

(ख) किस पत्रिका में प्रेमचन्द की पहली कहानी छपी ?

(ग) प्रेमचन्द द्वारा चलाये गये प्रेस का नाम बताइए।

(घ) "अपने उत्तरदायित्व का ज्ञान बहुधा हमारे संकुचित व्यवहारों का सुधारक होता है।" — यह गद्यांश प्रेमचन्द की किस कहानी का है ?

(ङ) 'संग्राम' नाटक का प्रकाशन वर्ष बताइए।

2. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं ***तीन*** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए — 5×3 = 15

(क) मैं जानती हूँ कि मैंने अत्यंत निकृष्ट कर्म किया है लेकिन मैं विवश थी, इसके सिवा मेरे लिए और कोई रास्ता न था।

(ख) विधाता की लीला विचित्र है। संसार के और प्राणियों का जीवन धर्म से सफल होता है। अहिंसा ही सबकी मोक्षदाता है। मेरा जीवन अधर्म से सफल हुआ, हिंसा से ही मेरा मोक्ष हो रहा है।

(ग) साहित्य की बहुत-सी परिभाषाएँ की गयी है; पर मेरे विचार से उसकी सर्वोत्तम परिभाषा 'जीवन की आलोचना' है।

(घ) आग में बहादुर ही कूदते हैं जनाब, तुम्हारे यह वकील सिपाही और भिश्ती लेडियों की तरह घर में घुस जाएँगे। आग में कूदना वह काम है, जो यह रुस्तम-ए-हिंद ही कर सकता है।

(ङ) यह कायरपन था, जिस पर बड़े से बड़े कायर आँसू बहाते है। अवध के विशाल देश का नवाब बंदी बना चला जाता था और लखनऊ ऐश की नींद में मस्त था।

3. सेवासदन में प्रेमचन्द ने किस प्रकार की सामाजिक असमानता और अन्याय का चित्रण किया है ? — सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। 15

अथवा

'बच्चों को स्वाधीन बनाओ' निबन्ध की प्रासंगिकता और प्रतिपाद्य पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

4. "हम इस कहानी को जानवर के माध्यम से कहा गया, आज की क्षरित होती हुई आदमीयत का आख्यान ही मानते हैं।" — आलोचक शिव कुमार मिश्र द्वारा कहे गए इस कथन के आलोक में 'दो बैलों की कथा' कहानी की विशेषताओं को रेखांकित कीजिए। 15

अथवा

कहानी कला के तत्त्वों के आधार पर 'पूस की रात' कहानी की समीक्षा कीजिए।

——×——

लक्ष्यं विद्यमानम्

WEST BENGAL STATE UNIVERSITY

B.A. Honours 6th Semester Examination, 2025

HINADSE05T-HINDI (DSE3/4)

Time Allotted: 2 Hours

Full Marks: 50

The figures in the margin indicate full marks.
Candidates should answer in their own words and adhere to the word limit as practicable.

1. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए — 1×5 = 5

(क) 'श्रीसंप्रदाय' के संस्थापक आचार्य का नाम लिखिए।

(ख) 'तुलसी : आधुनिक वातायन से' पुस्तक के लेखक कौन हैं ?

(ग) किस आलोचक ने तुलसीदास को 'हिंदी जातीय परंपरा का कवि' घोषित किया है ?

(घ) 'कलि-वर्णन' 'रामचरितमानस' के किस कांड से उद्धृत है ?

(ङ) 'त्रिवेणी' के लेखक का नाम लिखिए।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं ***तीन*** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए — 5×3 = 15

(क) बरन धर्म नहिं आश्रम चारी।
श्रुति बिरोध रत सब नर-नारी।
द्विज श्रुति बेचक भूप प्रजासन।
कोउ नहिं मान निगम अनुसासन॥

(ख) आगम, बेद, पुरान बखानत मारग कोटिन, जाहिं न जाने॥
जे मुनि ते पुनि आपुहि आपुको ईसु कहावत सिद्ध सयाने॥
कर्म सबै कलिकाल ग्रसे, जप, जोग, बिरागु लै जीव पराने।
को करि सोचु मरै 'तुलसी', हम जानकीनाथ के हाथ बिकाने॥

(ग) हरइ सिष्य धन सोक न हरई।
सो गुर घोर नरक महुँ परई॥
मातु पिता बालकन्हि बोलावहिं।
उदर भरै सोइ धर्म सिखावहिं॥

(घ) रामनाम कलि कामतरु रामभगति सुरधेनु।
सकल सुमंगल मूल जग गुरुपद-पंकज रेनु॥

(ङ) नाते नेह राम के मनियत सुहृद सुसब्य जहाँ लौं।
अंजन कहा आँखि जेहि फूटै बहुतक कहौं कहाँ लौं॥
तुलसी सो सब भाँति परम हित पूज्य प्रान तें प्यारो।
जासों होय सनेह रामपद, एतो मतो हमारो॥

3. तुलसीदास की काव्य-कला पर सोदाहरण विचार कीजिए। 15

अथवा

तुलसीदास की भक्ति-भावना पर प्रकाश डालिए।

4. "तुलसी एक उच्चकोटि के समन्वयवादी थे।" कथन की समीक्षा कीजिए। 15

अथवा

तुलसी-काव्य में निहित 'लोकधर्म' और 'मर्यादावाद' के वैशिष्ट्य को रेखांकित कीजिए।

——×——

लक्ष्यं विश्वमानम्

WEST BENGAL STATE UNIVERSITY

B.A. Honours 6th Semester Examination, 2025

HINACOR14T-HINDI (CC14)

Time Allotted: 2 Hours | Full Marks: 50

The figures in the margin indicate full marks.
Candidates should answer in their own words and adhere to the word limit as practicable.

1. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए — 1×5 = 5

(क) अधिसूचना किस प्रकार का पत्र है ?

(ख) आकाशवाणी का प्रथम प्रसारण कब हुआ ?

(ग) संलग्नक को अंग्रेजी में क्या कहते हैं ?

(घ) 'संकर' शब्द का एक उदाहरण दीजिए।

(ङ) 'सरकारी कार्यालयों में हिंदी प्रयोग' पुस्तक के लेखक का नाम बताइए।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं *तीन* पर टिप्पणी लिखिए — 5×3 = 15

(क) मसौदा लेखन

(ख) सरकारी पत्राचार

(ग) टिप्पणी

(घ) वाणिज्यिक हिंदी

(ङ) पारिभाषिक शब्दनिर्माण की प्रक्रिया।

3. प्रयोजनमूलक हिंदी की अवधारणा स्पष्ट कीजिए। 15

अथवा

प्रयोजनमूलक हिंदी के प्रयोगात्मक क्षेत्रों पर प्रकाश डालिए।

4. संचार माध्यमों की हिंदी और उसके प्रमुख लक्षणों पर विचार कीजिए। 15

अथवा

व्यावसायिक पत्र-लेखन का सोदाहरण उल्लेख कीजिए।

——×——